अफ़गानों की सहायता करना

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

द हिन्दू

14 अक्टूबर, 2021

भारत विस्थापित अफगानों के साथ काम करने वाली अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों में योगदान दे सकता है।

जी-20 समूह (दुनिया के उच्चतम सकल घरेलू उत्पाद वाले देशों का समूह) की हालिया बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफगानिस्तान में बढ़ते मानवीय संकट के बारे में बात की, खासकर आने वाले सर्दियों के मौसम की कठिनता को समक्ष रखा।

उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अफगानिस्तान को "मानवीय सहायता के लिए तत्काल और निर्बाध पहुंच" प्रदान करने का भी आह्वान किया। बैठक में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग ने धन के लिए एक नई अपील एक रिपोर्ट में प्रकाशित की गयी। इस रिपोर्ट में दर्शाया कि आधी आबादी (20 मिलियन से अधिक लोगों) को "जीवनरक्षक मानवीय सहायता" की आवश्यकता है, और इसके राहत कार्य के लिए संयुक्त राष्ट्र को केवल 35% धन की आवश्यकता है।

अफगानिस्तान के तालिबान द्वारा किए गए अधिग्रहण के परिणामस्वरूप, अफगान सरकार को दी जाने वाली अधि कांश प्रत्यक्ष सहायता समाप्त हो गई है। इसके ओवरसीज एकाउंट्स को यू.एस. द्वारा फ्रीज कर दिया गया है, जिससे वेतन का भुगतान करना असंभव हो गया है। तालिबान सरकार द्वारा महिलाओं को काम करने की अनुमति देने से इनकार करने और लड़कियों को स्कूल जाने से रोकने ने स्थिति को और अधिक विकट बना दिया है।

जबकि तालिबान और किसी भी सरकारी जुड़ाव को मान्यता देना अभी बहुत दूर है, दुनिया के सामने इस बात का कड़ा विकल्प है कि यह कैसे सुनिश्चित किया जाए कि अफगानिस्तान को और नुकसान न हो। शिखर सम्मेलन में, यूरोपीय संघ ने अफगानिस्तान और पड़ोसी देशों के लिए $ 1.15 बिलियन का वादा किया, जहाँ अफगानी शरणार्थी पहुंचे हैं, जबकि अमेरिका और चीन सहित अन्य देशों ने पिछले महीने जिनेवा में एक दाता सम्मेलन में $ 1.1 बिलियन का वादा किया था। भारत ने अभी तक किसी भी मौद्रिक या खाद्य सहायता की घोषणा नहीं की है।

प्रधानमंत्री मोदी का बयान एक स्वागत योग्य संकेत हैं कि सरकार आम अफगानों के कल्याण के लिए अभी भी प्रतिबद्ध है। भले ही नई दिल्ली ने अपना दूतावास बंद कर दिया है, लेकिन दोहा में तालिबान अधिकारियों के साथ एक सीमित आदान-प्रदान बनाए रखा है।

भारत सीधे नए शासन को सहायता भेजने के लिए अभी तैयार नही दिखाई पड़ रहा है। इसके कई कारण हो सकते है। जैसे :-

- *अगस्त में तालिबान के अधिग्रहण।*
- *पाकिस्तान के तालिबान को समर्थन देना।*
- *भारत को लक्षित करने वाले आतंकवादी समूहों के साथ नई तालिबान सरकार के द्वारा संबंध बनाए रखना*
- *सरकार को इस मामले में अपनी भागीदारी बढ़ाना आदि।*

लेकिन भारत उन अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों में योगदान दे सकता है जो विस्थापित अफगानों के साथ काम कर रही हैं, विशेष रूप से लगभग दस लाख बच्चों के लिए जो भुखमरी के जोखिम में हैं।

भारत ईरान और मध्य एशियाई राज्यों को भी मदद कर सकता है जो मौद्रिक सहायता के साथ शरणार्थियों को आवास दे रहे हैं। सरकार अफगानों के लिए अपनी वीजा व्यवस्था को उदार बनाने पर भी विचार कर सकती है, जिसने इस समय अफगान नागरिकों के सभी पूर्व वीजा रद्द कर दिए हैं, और यहाँ यात्रा करने के लिए आतुर अफगानों के लिए बहुत कम *'ई-वीज़ा'* जारी कर रहे हैं।

सद्भावना के संकेत के रूप में, भारत एक बार फिर सीधे काबुल को गेहूँ, अनाज, फोर्टिफाइड बिस्कुट और अन्य पैकेज्ड फूड सहित खाद्य सहायता भेज सकता है। इस संकट की घड़ी में स्पष्ट रूप से कार्य करना अनिवार्य है, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने अफगान लोगों के लिए "बनाने या तोड़ने" का क्षण कहा है।

साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि यदि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, जिसमें भारत जैसे क्षेत्रीय नेता भी शामिल हैं, मानवीय संकट को दूर करने में मदद करने के लिए आगे नही बढ़ते हैं तो न केवल अफगान बल्कि बाकी दुनिया को भी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

GS World
Committed To Excellence

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. अभी हाल ही में जी-20 देशों की बैठक किस मुद्दे के लिए आयोजित की गई थी?

(a) ताइवान-चीन विवाद

(b) अफ़गानिस्तान में मानवीय सहायता

(c) केन्या-सोमालिया संघर्ष

(d) उपर्युक्त में से कोई नही

Expected Questions (Prelims Exams)

Q. For which issue was the meeting of G-20 countries held recently?

(a) Taiwan-China dispute

(b) Humanitarian aid in Afghanistan

(c) Kenya-Somalia conflict

(d) None of the Above

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. अफ़गानिस्तान में नवगठित सरकार को लेकर भारत का रुख जो भी हो भारत को अफ़गानिस्तान के लोगों विशेषकर शरणार्थियों के लिए मानवीय सहायता जारी रखनी चाहिए? टिप्पणी करें। (250 शब्द)

Q. Should India continue to provide humanitarian aid to the people of Afghanistan, especially refugees, whatever India's stand on the newly formed government in Afghanistan? make a comment. (250 Words)

Committed To Excellence

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।